

हरिभूमि सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, मंगलवार 11 अगस्त 2026

श्री मनकामेश्वर मंदिर
समेत शहर के विभिन्न
मंदिरों में जलामिषेक,
पूजा-अर्चना और
हवन-यज्ञ

हरिभूमि न्यूज़ ►फतेहाबाद

सावन माह के दूसरे सोमवार को शहर का माहौल पूरी तरह शिवमय नजर आया। सुबह से ही फतेहाबाद के विभिन्न शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलामिषेक कर बेलपत्र, धतूरा, पुष्प और फल अर्पित किए तथा परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। मंदिरों में दिनभर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारे गुंजते रहे। कई मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। शहर के जीटी रोड स्थित श्री मनकामेश्वर मंदिर, शिवपुरी में सावन के दूसरे सोमवार को श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ रही। सुबह से ही मंदिर में भगवान शिव के दर्शन और जलामिषेक के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया।

खबर संक्षेप

अफीम के साथ युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशा तस्करों पर नकेल कसते हुए थाना सदर फतेहाबाद के अंतर्गत आने वाली बड़ोपल पुलिस चौकी टीम ने एक युवक को 53 ग्राम अफीम सहित रंगे हाथों काबू किया है। पकड़ा गया आरोपी चंद्र मोहन, पुत्र अमीलाल, निवासी चबला मोरी का रहने वाला है।

मांगे न मानने पर सिविल पेंशनर्स ने जताया रोष

फतेहाबाद। हरियाणा सिविल पेंशनर्स वेल्फेयर एसोसिएशन की मासिक बैठक बाल भवन में प्रधान हरबंस लाल सेठी की अध्यक्षता में हुई। पेंशनरों ने 65, 70 व 75 वर्ष की आयु पर पेंशन में बढ़ोतरी, डीए एरियर, मेडिकल भत्ता, एलटीसी, रेल किराये में छूट सहित विभिन्न मांगों पूरी नहीं होने पर रोष जताया। उन्होंने सरकार से मांगों जल्द पूरी करने की मांग की।

ओढ़ा में टीबी मरीजों के लिए पहुंची डाइट किट

ओढ़ा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओढ़ा में टीबी मरीजों के लिए 40 डाइट किट उपलब्ध करवाई गई है। यह किट मान मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल सिरसा द्वारा उपलब्ध करवाई है। इस कदम से रोग निवारण करने को टीबी मरीजों को पौष्टिक आहार मिल सकेगा जिससे उनकी रिकवरी में मदद मिलेगी।

दुकान के बाहर गांजा बचेते एक युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। सीआईए होथाना पुलिस टीम ने जाखल क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एक किलो गांजा सहित एक व्यक्ति को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान राजकुमार पुत्र अमर चंद निवासी नई बस्ती, रेलवे रोड जाखल के रूप में हुई है। सीआईए होथाना प्रभारी निरीक्षक अजय ने बताया कि पुलिस टीम अपराधों की रोकथाम और नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जाखल क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

महोत्सव

तीज पर थिरकी महिलाएं, सजी सावन की महफिल अरोड़वंश धर्मशाला में बिखरी संस्कृति की रंगीन छटा

हरिभूमि न्यूज़ ►फतेहाबाद

सावन की हरियाली, लोक संस्कृति की खुशबू और महिलाओं के उल्लास से रविवार को अरोड़वंश धर्मशाला गुलजार हो उठी। संकल्प स्वरोजगार केंद्र, अग्रोहा विकास ट्रस्ट एवं राष्ट्रीय सामाजिक विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हरियाली तीज महोत्सव में महिलाओं ने जमकर धमाल मचाया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी महिलाओं की मौजूदगी ने पूरे माहौल को तीज के पारंपरिक रंग में रंग दिया। आयोजन में सुषमा सेठी को तीज क्वीन-2026 चुना गया, जबकि डांस प्रतियोगिता में एंजलीना असीजा ने बेस्ट डांसर का अवार्ड मिला।



फतेहाबाद। तीज महोत्सव में भाग लेते मुख्यअतिथि सुनेना चौटाला, नेहा मित्तल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

सावन के रंग में रंगी अरोड़वंश धर्मशाला

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान मेहा मित्तल, प्रो. संस्था अग्रवाल एवं सुमन माडू ने संयुक्त रूप से की। इनेलो महिला विंग को प्रदेश प्रभारी सुनेना चौटाला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकात की। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. अंजना डावरा, डॉ. कैन्सी चक्रवर्ती, डॉ. अनु सहगल, डॉ. मीनाक्षी बंसल, डॉ. रमणीता बत्रा, रीना जिंदल और डॉ. मौजू चौधरी मौजूद रही। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मेव संचालन प्रतिभा ने किया।

तीज हमारी संस्कृति

मुख्य अतिथि सुनेना चौटाला ने महिलाओं को हरियाली तीज की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तीज हमारी प्राचीन संस्कृति, सावन की हरियाली और नारी शक्ति के उल्लास का प्रतीक है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। ऐसे सांस्कृतिक आयोजन महिलाओं को अपनी कला और प्रतिभा साझा करने के साथ-साथ अपनी परंपराओं से जुड़ने का अवसर देते हैं। प्रधान मेहा मित्तल ने कहा कि सावन का यह पर्व महिलाओं के जीवन में नई उमंग और सकारात्मक ऊर्जा लेकर आता है। महोत्सव का उद्देश्य महिलाओं, युवतियों और बच्चों को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए मंच उपलब्ध करवाना है।

मिनिकरी और गीतों ने खूब गदगदया

कार्यक्रम में बॉलीवुड आर्टिस्ट सागर शर्मा ने मिनिकरी और गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। उन्होंने अलग-अलग अंकों में मिनिकरी करते हुए माहौल को हास्य और मनोरंजन से भर दिया। गीतों की प्रस्तुतियों पर भी दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं। पूरे कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला।

सुषमा सेठी को तीज क्वीन-2026 चुना

महोत्सव में महिलाओं के लिए तीज क्वीन कॉन्टेस्ट, डांस और मॉडलिंग स्पर्धा सहित कई मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं। तीज क्वीन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पारंपरिक परिधानों और आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायकों के निर्णय के बाद सुषमा सेठी को तीज क्वीन-2026 चुना गया।

अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अनु गोयल, तनिशा मंगल, सुधा मित्तल, मंजु गोयल, मीनाक्षी बुढलाडिया, ललितरा रानी, मंजु रानी, देविका सिंगला सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं गणमाध्य लोग मौजूद रहे।

जेल भरो आंदोलन में उमड़ा जनसैलाब, सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

डीसी दफ्तर पर गरजे किसान-मजदूर 833 लोगों ने दी सामूहिक गिरफ्तारी

हरिभूमि न्यूज़ ►फतेहाबाद

भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों और कारपोरेट गद्दी छोड़ो आंदोलन के आह्वान पर फतेहाबाद में सैकड़ों किसान-मजदूरों, खेत व ग्रामीण मजदूरों, परिवारजना वकरी और सफाई कर्मचारियों ने एकजुट होकर जेल भरो आंदोलन में हिस्सा लिया। स्थानीय सब्जी मंडी के पास एकत्रित होकर सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने जुलूस निकाला और डीसी कार्यालय पहुंचकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान माहौल उस समय गर्म हो गया जब प्रदर्शनकारियों ने सामूहिक गिरफ्तारी दी। प्रशासन द्वारा करीब 833 लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस लाइन भेजा गया। प्रदर्शन की अध्यक्षता संयुक्त रूप से विष्णु दत्त शर्मा, सुनील कुमार, शीला शक्करपुरा, प्यारा राम म्योदं और तजिंदर सिंह थिंद ने की,



फतेहाबाद। डीसी कार्यालय पर प्रदर्शन कर गिरफ्तारियां देते हुए।

नपा व अग्निशमन कर्मियों का समर्थन

प्रदर्शनकारियों ने मौके पर चल रही नगरपालिका सफाई कर्मचारियों तथा अग्निशमन कर्मियों की हड़ताल का पूरजोर समर्थन किया। इसके साथ ही, 11, 12 और 13 अगस्त को बिजली कर्मचारियों द्वारा की जाने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भी बढ़-बढ़कर हिस्सा लेने और समर्थन देने का ऐलान किया गया। आंदोलनकारी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जनविरोधी और कॉर्पोरेट समर्थक नीतियों को वापस नहीं लिया, तो आने वाले दिनों में इस जगह आंदोलन को और अधिक तेज किया जाएगा।

जबकि मंच का संचालन रामकुमार बहबलपुरिया, ओमप्रकाश अनेजा, राजेंद्र प्रसाद बादू और सुखविंदर सिंह ने

संभाला। किसान-मजदूर नेता रामकुमार बहबलपुरिया, विष्णु दत्त शर्मा और ओमप्रकाश अनेजा ने सरकार की नीतियों पर तीखे

महंगाई ने तोड़ी कमर

उन्होंने कहा कि कृषि लागत बढ़ने और आमदनी घटने से किसान-मजदूर भारी कर्ज के जाल में फंसे रहे हैं। लंबे संघर्षों के बाद हासिल श्रम कानूनों को खत्म कर चार लेबर कोड लागू किए जा रहे हैं, जो मजदूरों को शोषण की तरफ धकेलेंगे। जगतार सिंह, जगौर सिंह, लाम सिंह, रामस्वरूप दाणी गोपाल, संदीप महिया ने कहा कि मनरेगा के तहत मिलने वाली रोजगार वारंटी को कमजोर किया जा रहा है तथा खाद्य सुरक्षा कानून पर हमले की नीयत से गुलाबी कार्ड धारकों के राशन में कटौती और डिपो से सरसों तेल बंद करने की तैयारी है। बिजली विभाग के निजीकरण, स्मार्ट मीटर योजना और डीजल-पेट्रोल तथा रसोई गैस के आसमान छूते दामों ने आम जनता की कमर तोड़ दी है।

प्रहार किए। नेताओं ने कहा कि देश और प्रदेश का गरीब तथा मेहनतकश वर्ग आज गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है।

ट्रेड डील के विरोध में खोला मोर्चा



सिरसा। संयुक्त किसान मोर्चा एवं केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त आह्वान पर किसान, मजदूर व विभिन्न संगठनों से जुड़े कर्मचारियों ने सोमवार को भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में शहीद भगत सिंह स्टैडियम में पड़ाव डाल दिया है। जिलाभर से बड़ी संख्या में पहुंचे किसान, मजदूर व अन्य संगठनों से जुड़े लोगों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा करते हुए नारेबाजी की। जिला प्रशासन की ओर से मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है। धरना-प्रदर्शन कर रहे लोगों की मांग है कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील रद्द की जाए। किसान संगठनों से जुड़े नेताओं ने कहा कि किसानों को महंगे दामों पर यूरिया खाद खरीदने पर मजबूर होना पड़ रहा है। रोष प्रदर्शन करे हड़ताल पर चल रहे नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों, सर्वकर्मचारी संघ सहित अनेक संगठनों ने समर्थन दिया है। सर्वकर्मचारी संघ के जिला प्रधान मदन लाल खोथ ने कहा कि सरकार मलमाली कर रही है, लेकिन किसान, मजदूर व कर्मचारी संगठन एकजुट हैं।

विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा थामकर दिया हर घर तिरंगा लहराने का संदेश



हड़ताल का छठा दिन, हाथ पर हाथ धरे बैठे कर्मचारी...



श्रद्धालुओं ने किया भगवान शिव का जलामिषेक

ओढ़ा। पवित्र सावन माह के दूसरे सोमवार के अवसर पर मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। ओढ़ा के गौशाला रोड पर स्थित इच्छापूर्ण शनिदेव मंदिर में सुबह से ही महिलाओं की भीड़ लगा भरई जहां उन्होंने भगवान शिव का जलामिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने मंदिर परिसर में स्थापित शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र, और फूल अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिर के पुजारी दीपक भगुवंशी ने श्रद्धालुओं को सोमवार के व्रत और पूजा के महत्त्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सावन के सोमवार को महादेव की पूजा करने से भक्तों के सभी कष्ट दूर होते हैं और मानसिक शांति मिलती है। वहीं, मंदिर के मुख्य सेवक रमेश गार्ग ने सावन मास के आध्यात्मिक महत्त्व और इसके लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सावन का पूरा महीना ही शिव आराधना के लिए सर्वश्रेष्ठ है। इस दौरान सच्चे मन से की गई पूजा और जलामिषेक से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आती है, आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं और वैवाहिक जीवन में खुशहाली आती है।



बीघड़ में घर में घुसकर हत्या करने वाले तीन और फरार आरोपी गिरफ्तार



फतेहाबाद। गांव बीघड़ में हुए चर्चित दानानाथ हत्याकांड में शामिल तीन और मुख्य आरोपियों को थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पुलिस एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज चुकी है, जिसके बाद अब तक पकड़े गए आरोपियों की कुल संख्या 4 हो गई है। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों की पहचान अरुण पुत्र विजयनाथ, पवन पुत्र विजयनाथ तथा रवि पुत्र मुन्नानाथ के रूप में हुई है। ये तीनों आरोपी पन्नीवाला मोटा, जिला सिरसा के निवासी हैं। पुलिस द्वारा सभी गिरफ्तार आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद राय ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक की पत्नी गांव बीघड़ निवासी रविना की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। शिकायत के अनुसार, गत 5 अगस्त की शाम करीब 4 बजे रविना अपने पति दानानाथ और अपने भाई करण के साथ घर पर मौजूद थी। इसी दौरान पुरानी रंजिश के चलते आरोपी हाथों में धारदार हथियार और डंडे लेकर उनके घर में जबरन घुस आए। हमलावरों ने सीधे दानानाथ के सिर पर धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ वार कर दिए।



फतेहाबाद। गांव खाबड़ा कलां के समीप नहर में आई दरार।

फोटो: हरिभूमि

खेड़ी माइनर में 20 फीट की दरार, फसलें डूबी

लाखों व्यूसेक पानी तीव्र गति से आसपास के खेतों में जा घुसा

हरिभूमि न्यूज़ ►फतेहाबाद

भट्ट ब्लॉक अंतर्गत पड़ने वाले गांव खाबड़ा कलां और सूली खेड़ा के बीच उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब तड़के अचानक खेड़ी माइनर नहर टूट गई। नहर की पटरी में करीब 20 फीट का चोड़ा कटाव आने से लाखों व्यूसेक पानी तीव्र गति से आसपास के खेतों में जा घुसा। महज कुछ ही घंटों के भीतर सैकड़ों एकड़ में लहलहा रही नरमा-कपास और मक्का की फसलें जलमग्न होकर तालाब में तब्दील हो गईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा सोमवार सुबह करीब 6 बजे घटित हुआ। उस समय अधिकांश किसान अपने घरों में ही थे। जब तक किसान मौके पर पहुंचते और स्थिति को संभालते, तब तक पानी का तेज बहाव खेतों को अपनी आगोश में ले चुका था। नहर के उफान और

किसानों पर संकट

प्रभावित किसानों का कहना है कि नरमा की फसल इस समय अपनी बढवार पर थी। खेतों में 2 से 3 फीट तक पानी भर जाने से पौधों की जड़ें गल जाएंगी और पूरी फसल काली पड़कर नष्ट हो जाएगी। इससे किसानों को लाखों रुपये के आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ेगा। घटना की सूचना मिलते ही खाबड़ा कलां और सूली खेड़ा के सैकड़ों ग्रामीण व किसान मौके पर एकत्रित हो गए। ग्रामीणों ने सिवार्ड विभाग के अधिकारियों के कार्रवाहियों को तुरंत दूरभाष पर हादसे की जानकारी दी। मौके पर मौजूद किसानों ने विभाग पर नहरों की समय पर मरम्मत न करने और नियमित गश्त न करने का आरोप लगाते हुए गहरा रोष व्यक्त किया।

जलभराव के कारण स्थानीय किसान रण सिंह, कुलदीप, ओमप्रकाश बेनीवाल तथा कुलदीप सहित दर्जनों अन्नदाताओं के खेत पूरी तरह जलमग्न हो गए।

बी.पी.एड. (B.P.Ed.) में दाखिला आरंभ
पी.टी.आई. तथा डी.पी.ई. (शांतिरक शिक्षा निदेशक) के पद पर होगी नियुक्ति
राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) से मान्यता प्राप्त एवं इंडियन गौरी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी (G.O.) से सम्बद्ध महागण प्रताप कानन जीकेशन, पन्नीवा (बखरा - कर्नाम), जिला महेंद्रगढ़ (हरियाणा) में डेपु 2026-28 हेतु बी.पी.एड. (B.P.Ed.) (डी.पी.ई. कोर्स) में दाखिला आरंभ हो गया है। बी.पी.एड. में प्रवेश हेतु स्नातक में 50% अंक तथा राज्य स्तर का खेल का प्रमाण पत्र होना आवश्यक है। एस.सी. विद्यार्थियों को सरकार द्वारा काश्चुक्की दी जाती है। इच्छुक विद्यार्थी सीधे कॉलेज में दाखिला ले सकते हैं तथा www.mpcokanina.com व कॉलेज कोड नं. **9467834482, 8053194028** पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। (Adv.)



आजादी के लगभग आठ दशक बाद भी भारतीय महिलाएं कई मोर्चों पर खुद को आजाद महसूस नहीं कर पाती हैं। सशक्तिकरण के लिए बनाई गई सरकारी नीतियों, संवैधानिक अधिकार मिलने के बावजूद आज भी वे मानसिक जकड़बंदियों में कैद महसूस करती हैं। देश की आधी आबादी को पूर्ण आजादी की अनुभूति तभी हो सकती है, जब वह इसे अपने मन-जीवन के हर पहलू में महसूस करेगी।

सच्ची अनुभूतियों में बसे आजादी

आवरण कथा
डॉ. मौनिका शर्मा

हमारा देश आजाद है। हमारा संविधान हर नागरिक को समान अधिकार देता है। मानवीय मोर्चे पर भी स्वतंत्र भारत के समाज में स्त्री-पुरुष समानता का भाव बढ़ा है। बावजूद इसके स्त्रियां मन से आजादी को नहीं जी पातीं। आज भी बहुत-सी महिलाओं के लिए स्वाधीनता जीवन का सहज रूप से जीया जाने वाला हिस्सा नहीं बन सका है। असल में परिवार और परिवेश के हालात ही नहीं, स्वयं महिलाओं का मन भी आजादी के खुशगवार रंगों को जीने में हिचकिचाता है। स्वतंत्र होने के सच्चे भाव-चाव को अपनाने में सकुचाता है। जाने-अनजाने स्त्रियों के विचार और व्यवहार परतंत्रता की अदृश्य परिधि में सिमटकर रह जाते हैं। एक चर्चित और सशक्त विचार है 'मजबूत स्त्रियां आजादी मांगती नहीं हैं, आजादी को जीती हैं।' ऐसे में जरूरी है कि देश की आधी आबादी, अपनी स्वतंत्रता के लिए किसी तरफ न देखे, पूरी सहजता और सच्ची अनुभूतियों संग अपनी आजादी को जीए। कहने का अर्थ है खुदमुखारी की उज्ज्वल रंगत खुलकर जीने की सोच ही महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास का सतरंगी उजास भर सकती है।

बेहिचक स्वीकारें बदलाव

स्त्रियों के जीवन में समय के साथ बदलने की रफ्तार थोड़ी कम होती है। उनकी जिंदगी का दायरा थोड़ा-सहमा ही रहता है। समझना जरूरी है कि बदलाव के इस मोर्चे पर बेहतरी लाने के लिए कोई बाहरी नियम-कायदे काम नहीं आ सकते। सरकार की पॉलिसीज दिल की दुनिया नहीं बदल सकतीं। स्त्रियों को खुद अपने आप को इस बेबसी के तयशुदा घेरे से बाहर लाना चाहिए। गौरतलब है, इस साल हमारा देश अपनी आजादी का 80वां उत्सव मनाने जा रहा है। आजादी के इतने वर्षों में समाज-



परिवार और रिश्तों-नातों से जुड़ी अनगिनत बातों-हालातों में बदलाव आने के बाद भी बहुत-सी स्त्रियां मन के बनाए खांचे से बाहर नहीं आ सकी हैं। भावनाओं की उठा-पटक और नपुनस को स्वीकारने का भय आज भी उनकी जिंदगी में मौजूद रहता है। ऐसे में रहन-सहन से लेकर काम-काजी बनने या कुछ मन का करने तक, हर बदलाव को बेहिचक स्वीकारने की सोच बेहद जरूरी है। चर्चित अमेरिकी लेखक हंटर स्ट्रॉकटन थॉम्पसन के मुताबिक, 'स्वतंत्रता एक ऐसी चीज है, जिसका उपयोग नहीं किया जाए तो यह मर जाती है।'

कीजिए खुद को आजाद

महिलाओं के लिए अपनी स्वतंत्रता को सहजता से जीने के लिए अपने मन के बनाए बंधन भी तोड़ने होंगे। सामाजिक-पारिवारिक परिवेश के बरसों से चले आ रहे दबावों और बंदिशों से मुक्त होकर अपनी पर्सद को प्राथमिकता देनी होगी। अपनी योग्यता को निखारना होगा। अपनी क्षमताओं पर विश्वास करना होगा। हर डर और हर उलझन से बाहर आकर अपने जीवन से जुड़े फैसले खुद लेने की राह पकड़नी होगी। असल में भारतीय समाज

की रूपरेखा ही ऐसी है कि पहले से बने सामाजिक सांचे ही नहीं, खुद महिलाओं के मन के खांचे भी उन्हें बांधे रखते हैं। दिल की बात कहने से रोकते हैं। उनकी अपनी संवेदनाएं ही बेहिचक अपनी बेहतरी का रास्ता चुनने में बाधा बनती हैं। हमारे यहां स्त्रियां अपने दायित्वबोध के भाव के लिए भी बहुत मान पाती हैं। जरूरी यह है कि यह जवाबदेही आपके अपने जीवन की जहोजहद न बढ़ाए। हर मामले में दूसरों की अपेक्षाओं के अनुसार खुद को ढालने के बजाय अपनी सच्ची भावनाओं को जीना ही आजाद होना है। याद रहे, आपके मन की स्वतंत्र अनुभूतियां भीतर की भावनात्मक दुनिया का सच्चा आईना होती हैं। जिसमें सामाजिक नियमों, रूढ़िवादी विचारों, परंपरागत बंधनों और तयशुदा दायित्वों से दूर अपने अस्तित्व, सपनों और संवेदनाओं का प्रतिबिंब दिखाता है। अपने इस आंतरिक साए को हर दबाव से आजाद कीजिए।



भावनात्मक मोर्चे पर संतुलन साधिए

आज भी बहुत-सी स्त्रियां अपनी भावनाओं को दबाकर औरों की सहजता के मुताबिक जीती हैं। यह बनावटी बर्ताव बाहरी व्यक्तित्व के रंग तो छीनता ही है, मन को भी अशांत रखता है। यही वजह है कि अपनी सच्ची अनुभूतियों में बसी आजादी को जीने के लिए इमोशनली बेलेंस रहना बेहद जरूरी है। घर हो या बाहर, भावनाओं की स्वायत्तता सबसे जरूरी है। अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं और सोच-समझ का एक स्वतंत्र संसार बसाना हर स्त्री के लिए आवश्यक है। देखने में आता है कि मन हो या जीवन, भावनाओं में बहना महिलाओं को पराधीन ही बनाता है। भावनाओं में बहने के बजाय व्यावहारिक सोच अपनाने से अपने अधिकार हासिल करने की सजगता आती है। अपने अस्तित्व की चेतना को बल

मिलता है। स्वतंत्र होने के यही सही मायने भी हैं। अमेरिकी गायक और गीतकार जिम मोरिसन के शब्दों में 'स्वतंत्र होने का सबसे महत्वपूर्ण तरीका वह होना है, जो आप वास्तव में हैं। अगर किसी एक भूमिका के लिए आप अपनी वास्तविकता को छोड़ते हैं। एक खास काम के लिए अपनी भावनाओं

से दूरी बनाते हैं। महसूस करने की अपनी क्षमता छोड़कर एक मुछोटा पहन लेते हैं, तो यह आजादी नहीं है। व्यक्तिगत स्तर पर व्यक्तिगत क्रांति हुए बिना बड़े पैमाने पर कोई भी क्रांति नहीं हो सकती है। इस रेवोल्यूशन को पहले आपके अंदर होना होगा। हर स्त्री को यह समझना चाहिए और अपने जीवन में उतारना चाहिए।

विचार

आधी आबादी को ऐसे मिलेगी पूरी आजादी

अपने देश को आजाद हुए आठ दशक हो रहे हैं। इतना वक्त बीतने के बाद भारतीय महिलाओं के संदर्भ में आजादी के क्या मायने हैं? वे कौन से सामाजिक, राजनैतिक कारण हैं, जिससे देश की महिलाएं संपूर्ण आजादी से अभी भी वंचित हैं? महिलाएं संपूर्ण आजादी हासिल करने के लिए स्वयं किस तरह के प्रयास या संघर्ष करें, जिससे उनका बहुमुखी विकास हो? अलग-अलग क्षेत्रों की दो जानी-मानी महिलाएं सहेली से साझा कर रही हैं अपने विचार।

सामर्थ्य और चेतना से मिलेगी पूरी आजादी सूर्यबाला, साहित्यकार



आजादी की बात करने से पहले आजादी का मतलब समझना होगा। आजादी का मतलब अनियंत्रित उच्छृंखलता या अनुशासनहीनता नहीं है। स्त्रियों के संदर्भ में बात करें, तो स्त्री की आजादी का यह भी तात्पर्य नहीं है कि जो-जो पुरुष कर रहा है, वह सब स्त्री भी करे। आजादी हमारा संवैधानिक अधिकार तो है ही! साथ ही यह हमारी संवेदना की चीज है। यह हमारी सोच और समझ से जुड़ी है। सोच-समझ बदलने से ही वास्तविक आजादी प्राप्त होगी। भारतीय समाज का जो ढांचा है, उसमें महिलाओं को वो सुविधाएं मिलें, जिसमें वो अपने मन मुताबिक काम कर सकें। स्त्री की संवेदनाओं को, उसकी आकांक्षाओं को, उसके मन को, उसके श्रम को श्रम का सही मूल्यांकन हो। समाज, परिवार उसके महत्व को समझें। उसको सुविधाएं दें। यही महिलाओं के लिए आजादी का सही तात्पर्य है। यदि आज की स्त्री की तुलना हम तीस-चालीस साल पहले की स्त्रियों से करें तब हमें समझते देर न लगेगी कि आज की स्त्री कितनी आजाद है। यह भी समझ आएगा कि स्त्री अपनी आजादी का कितना सदुपयोग व कितना दुरुपयोग कर रही है। मेरे विचार से स्त्री आजादी का जो प्रश्न है, वह कानूनी और संवैधानिक कम और नैतिक-सामाजिक ज्यादा है। पुरुष जब अपनी सोच में उदार होगा तभी स्त्री को उसकी अपेक्षित आजादी मिल पाएगी। हम दशकों से दहेज प्रथा हटाने की बातें कर रहे हैं। लेकिन आज भी यह प्रथा जस की तस कायम है। इसका कारण है हमारा चारित्रिक पतन। इधर कुछ घटनाएं ऐसी घटी हैं, जिनसे स्त्रियों के भी क्रूर रूप को दिखाया है। तो कुल मिलाकर समाज का चारित्रिक पतन हुआ है। जो स्त्री की आजादी में बाधा है। आज की स्त्री अपने प्रकृति प्रदत्त गुणों को छोड़कर पुरुष के गुण-अवगुण को अपना रही है। स्त्री पर तो खुद पुरुष को बनाने की जिम्मेदारी है। वह पुरुष भी स्त्री की संरक्षिका है। अपने गुणों को छोड़ देगी तो कैसे होगा? स्त्रियों की असली आजादी केवल कानून बनाकर या जबरदस्ती नहीं हासिल की जा सकती। वास्तविक सामर्थ्य और वास्तविक चेतना हासिल करके ही यह आजादी पाई जा सकती है। समाज के प्रति, अपने प्रति, परिवार के प्रति, साथ रहने वालों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने की चेतना जागृत होनी चाहिए। हमें सबकी भावनाओं, जरूरतों का भी ध्यान रखकर चलना होगा। सबका सम्मान करना होगा तभी परिवार समाज और विश्व चल पाएगा।

अभी आजादी की लंबी यात्रा तय करनी है

डॉ. रीता गंगवानी (रिटायर्ड लेफ्टिनेंट) पर्सनालिटी ग्रूनिंग एक्सपर्ट

मेरे लिए आजादी का अर्थ केवल अधिकार नहीं, बल्कि सम्मान, आत्मविश्वास और अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने की क्षमता है। आज भारतीय महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित की है। लेकिन सच्चाई यह भी है कि शहरों और गांवों, पढ़ी-लिखी और वंचित महिलाओं के बीच बड़ा अंतर कायम है। इसलिए मैं कहूंगी कि महिलाओं ने आजादी की ओर लंबी यात्रा तय की है, लेकिन मंजिल तक पहुंचना अभी बाकी है। हमारा संविधान महिलाओं को समान अधिकार देता है, लेकिन असली बदलाव सोच बदलने से आती है। आज भी कई परिवारों में बेटियों और बेटों के लिए अलग-अलग नियम बनाए जाते हैं। कई महिलाएं योग्य होने के बावजूद केवल इसलिए पीछे रह जाती हैं, क्योंकि उन्हें अवसर या समर्थन नहीं मिलता। कई बार महिलाएं अपनी क्षमता को कम आंकती हैं। वर्र्ण से बनी सामाजिक धारणाएं उनके आत्मविश्वास को प्रभावित करती हैं। मेरा मानना है कि जब परिवार, समाज और व्यवस्था, तीनों मिलकर महिलाओं पर विश्वास करेंगे, तभी वास्तविक आजादी का सपना पूरा होगा। महिलाएं शिक्षा को अपनी ताकत बनाएं। संवाद कौशल, आर्थिक समझ, डिजिटल ज्ञान, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास जैसे गुण भी विकसित करें। महिलाओं का आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना भी बहुत आवश्यक है। महिलाओं के संदर्भ में स्वतंत्र भारत का सपना तभी पूरा होगा, जब हर बेटी यह विश्वास लेकर बड़ी हो कि उसके सपनों की कोई सीमा नहीं है। जिस दिन हर महिला बिना डर, बिना भेदभाव और पूरे सम्मान के साथ अपनी क्षमता का सर्वोत्तम उपयोग कर पाएगी, उसी दिन हम सच्चे अर्थों में अपनी आजादी का उत्सव मनाएंगे।



प्रस्तुति: सरस्वती रमेश, अंशु सिंह

रेसिपी
प्रतिमा अग्निहोत्री

हरियाली तीज (15 अगस्त) के मौके पर हम आपको बता रहे हैं, कुछ स्पेशल मीठे-चटपटे व्यंजनों की रेसिपी। इन्हें बनाइए और परिवार के संग हरियाली तीज करें सेलिब्रेट।

हरियाली तीज पर बनाएं स्वादिष्ट व्यंजन माल पुआ



सामग्री

(घोल के लिए) मैदा-1 कप, सूजी-1/4 कप, दूध-1/2 कप, पानी-1/2 कप, चीनी-1 टीस्पून, दरदरी कूटी सौंफ-1/2 टीस्पून, इलायची पावडर-1/4 टीस्पून, ताजा दही-1 टेबल स्पून, तलने के लिए-घी या तेल (चाशनी के लिए) चीनी-1 कप, पानी-1/2 कप, इलायची 3-4, केसर के धागे-6

बेड़नी पूरी

सामग्री

गेहूं का आटा-2 कप, सूजी-1/4 कप, तेल-2 टीस्पून, धुली उड़द दाल-1/2 कप, अदरक-1 छोटी गांठ, हरी मिर्च-3, सौंफ दरदरी पिसी-1/4 टीस्पून, जीरा-1/4 टीस्पून, हींग-1 चुटकी, लाल मिर्च पावडर-1/2 टीस्पून, हल्दी पावडर-1/4 टीस्पून, गरम मसाला-1/2 टीस्पून, नमक-1 टीस्पून, मोयन के लिए तेल-1 टीस्पून, तलने के लिए तेल-आवश्यकतानुसार

फूट रायता



विधि

रात भर भीगी हुई दाल को हरी मिर्च और अदरक के साथ मिक्सी में पल्प मोड पर बिना पानी के पीस लें। अब आटे में सूजी, पिसी दाल, सभी मसाले और मोयन अच्छी तरह मिलाएं। धीरे-धीरे मसलते हुए आटे को पूरी जैसा सख्त गूंथ लें। आवश्यकतानुसार पानी मिलाएं। तैयार आटे को सूती कपड़े से ढंककर 20 मिनट के लिए रख दें। 20 मिनट के बाद छोटी सी लोई लेकर पूरी बेलें और गरम तेल में सुनहरा होने तक तलकर बटर पेपर पर निकाल लें, फिर आलू की सब्जी के साथ सर्व करें।

सामग्री

हंग कर्ड (गाढ़ा या चक्का दही)-2 कप, मोटे-कटे फल-2 कप (सेब, केला, आम, अंगूर, अनार), बारीक कटी मेवा-1 टेबल स्पून, चीनी-2 टीस्पून, इलायची पावडर-1/4 टीस्पून, गार्निशिंग के लिए पुदीने की पत्तियां-4

विधि

दही को भली-भांति फेंट लें ताकि गुठली न रहे। अब इसमें चीनी, इलायची पावडर, कटे फल और कटी मेवा डालकर अच्छी तरह मिलाएं। सर्विंग बाउल में डालकर पुदीने की पत्तियों से गार्निश करके सर्व करें।

आस्था
आर. सी. शर्मा

सावन की मनोहारी ऋतु में मनाया जाने वाला हरियाली तीज, भारतीय पर्व-संस्कृति का अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह केवल धार्मिक व्रत-पर्व भर नहीं, बल्कि प्रकृति, दांपत्य प्रेम, नारी-शक्ति और सामाजिक मेल-मिलाप का भी उत्सव है। यह पर्व श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। उदया तिथि के अनुसार इस वर्ष आगामी 15 अगस्त को हरियाली तीज का पर्व मनाया जाएगा।

धार्मिक मान्यता: हरियाली तीज का संबंध भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन से जुड़ा हुआ है। पौराणिक मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए अनेक जन्मों तक कठोर तपस्या की थी। उनके अटूट संकल्प और भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया। इसी पावन मिलन की स्मृति में हरियाली तीज का पर्व मनाया जाता है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन की दिव्य क्रांति के लिए प्रार्थना करती हैं। वहीं अविवाहित युवतियां योग्य जीवनसाथी की प्राप्ति के लिए माता पार्वती की आराधना

हेयर स्टाइल
नैसी गुला

हरियाली तीज के दिन महिलाएं पारंपरिक तौर पर सजती हैं। साड़ी, लहंगा या सूट के साथ मेहंदी, चूड़ियां, बिंदी और गहनों से अपने लुक को सजाती हैं। लेकिन आकर्षक हेयर स्टाइल के बिना कोई भी फेस्टिव लुक अधूरा लगता है। सही हेयर स्टाइल न केवल चेहरे की खूबसूरती बढ़ाती है, पूरे एथनिक लुक को भी निखार देती है।

फ्रंट पफ के साथ सिंपल बन: जिन महिलाओं के बाल पतले हैं, वे फ्रंट पफ के साथ सिंपल बन बना सकती हैं। इससे बाल अधिक घने दिखाई देते हैं और चेहरे को भी आकर्षक फ्रेम मिलता है। यह हेयर स्टाइल गोल और ओवल



हरियाली तीज ऐसा बहुरंगी धार्मिक-सांस्कृतिक पर्व है, जिसमें अखंड दांपत्य की कामना के साथ शिव-शक्ति की व्रत-पूजा की जाती है। देश के कई प्रदेशों में यह पर्व पूरे विधि-विधान और सांस्कृतिक उल्लास से मनाया जाता है।

हरियाली तीज: अखंड दांपत्य की कामना-उल्लास का पर्व



करती हैं। इस प्रकार यह पर्व प्रेम, सम्पन्न, धैर्य और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। **कई प्रदेशों में मनाते हैं पर्व:** हरियाली तीज मुख्य रूप से उत्तर और पश्चिम भारत के राज्यों में बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। इनमें प्रमुख हैं-राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, पंजाब, दिल्ली तथा हरियाणा। भारत के अलावा नेपाल के कुछ हिस्सों में भी तीज का पर्व

होती है। महिलाएं नए हरे रंग के वस्त्र धारण करती हैं। हाथों और पैरों में मेहंदी लगाई जाती है तथा सोलह श्रंगार किया जाता है। पूजा स्थल पर भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की प्रतिमाएं या चित्र स्थापित किए जाते हैं। उन्हें पुष्प, बेलपत्र, फूल, मिठाई और श्रंगार सामग्री अर्पित की जाती है। महिलाएं निर्जला अथवा फलाहार व्रत रखती हैं, हालांकि व्रत की विधि परिवार और परंपरा

दोनों तरह के फेस शेप पर अच्छा लगता है। इसके साथ हल्के झुमके और बिंदी आपके लुक को और निखार देंगे।

गजरे वाला लो बन देगा रॉयल लुक: हरियाली तीज पर सबसे पसंदीदा हेयर स्टाइल लो बन है। इसे बनाकर उस पर मींगरा या चमेली का गजरा लगाया जाए तो लुक शाही और पारंपरिक दिखाई देती है। यह हेयर स्टाइल साड़ी, सिल्क सूट और बनारसी लहंगे के साथ खूब जंचता है। लंबे समय तक कंपटबल भी रहता है। **फिशटेल-साइड ब्रेड से मिलेगा एलिगेंट लुक:** लंबे बालों वाली महिलाओं के लिए फिशटेल ब्रेड या साइड ब्रेड बेहतरीन विकल्प है। इस चोटी को हल्का लूज रखते हुए उसमें छोटे फूल या स्टोन हेयर



एसेसरीज लगाई जा सकती हैं। यह स्टाइल पारंपरिक होने के साथ-साथ फोटोजेनिक भी लगता है और पूरे दिन मटेन रहता है। **साफ्ट कर्ल्स के साथ हाफ-अप हेयर**

के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। पूजा के बाद महिलाएं तीज की कथा सुनती हैं, आरती करती हैं और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देती हैं। इसके साथ ही झूला झूलना, लोकगीत गाना, सामूहिक नृत्य करना और पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेना इस पर्व का अभिन्न हिस्सा है।

बदलते समय में हरियाली तीज: आज केवल गांव-कस्बों में ही नहीं शहरों-महानगरों में भी हरियाली तीज का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। विभिन्न सामाजिक संस्थाएं, महिला मंडल और सांस्कृतिक संगठन तीज महोत्सव आयोजित करते हैं। इनमें मेहंदी प्रतियोगिता, लोकनृत्य, पारंपरिक परिधान प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। डिजिटल युग में भी इस पर्व की आत्मा वहीं है- परिवार, परंपरा और प्रकृति के प्रति सम्मान। साथ ही अब ज्यादातर संरक्षण का संदेश भी इस पर्व से जोड़ा जा रहा है। कई स्थानों पर तीज के अवसर पर पौधारोपण अभियान चलाए जाते हैं, जिससे 'हरियाली' का वास्तविक अर्थ केवल प्रतीकात्मक न रहकर धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प भी सिद्ध होता है। हरियाली तीज का यह पर्व कुलव्रत और पूजा का दिन नहीं, बल्कि जीवन में धैर्य, सम्पन्न, विश्वास और प्रकृति के प्रति कुतज्ञता का संदेश देने वाला उत्सव भी है।

हरियाली तीज पर कैरी करें ये एलिगेंट हेयर स्टाइल

स्टाइल: यदि आप पारंपरिक और मॉडर्न लुक का संतुलन चाहती हैं, तो सॉफ्ट कर्ल्स के साथ हाफ-अप हेयर स्टाइल अच्छा विकल्प है। बालों के ऊपरी हिस्से को हल्के ट्विस्ट या छोटी चोटी के साथ पिनअप कर दें और बाकी बाल खुले रखें। इस स्टाइल पर छोटे फूल या पलं हेयर एसेसरीज लगाने से लुक और आकर्षक बन जाता है। **फ्लोरल ब्रेड:** आजकल फ्लोरल ब्रेड काफी ट्रेंड में है। साधारण चोटी में छोटे-छोटे ताजे फूल या आर्टिफिशियल फ्लोरल एसेसरीज लगाकर उसे नया और खूबसूरत रूप दिया जा सकता है। यह हेयर स्टाइल खासकर युवा महिलाओं और नई नवेली दुल्हनों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। **(ब्यूटी एवं हेयर एक्सपर्ट पूजा नागपाल से बातचीत पर आधारित)**

खबर संक्षेप

खाट्ट श्याम धाम में सजेगा भक्ति का मय्य दरबार

सिरसा। शिवरात्रि महापर्व के अवसर पर कल 11 अगस्त को रानिया रोड स्थित खाट्ट श्याम धाम में श्याम परिवार ट्रस्ट की ओर से भव्य धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। सुबह 6 बजे से प्रारंभ होकर रात्रि तक चलने वाले कार्यक्रमों के दौरान 24 घंटे का अखंड जलाभिषेक होगा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं पूजा-आर्चना कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे। मंदिर के सदस्य दीपेश गोयल ने बताया कि इस बार शिवरात्रि महोत्सव को विशेष रूप से भव्य स्वरूप दिया जा रहा है। शिवालय को कोलकाता से मंगवाए गए आकर्षक फूलों से सजाया जाएगा।

भाविप राघव शाखा ने शुरू किया निःशुल्क बर्तन बैंक

फतेहाबाद। पर्यावरण संरक्षण और समाज में प्लास्टिक के बढ़ते इस्तेमाल को कम करने के उद्देश्य से भारत विकास परिषद राघव शाखा फतेहाबाद की ओर से निःशुल्क बर्तन बैंक की शुरुआत की गई है। इस पहल के तहत शहर और आसपास के लोग अपने घरों में होने वाले छोटे कार्यक्रमों के लिए स्टील के बर्तन, भोज थाली, गिलास और चम्मच आदि का सेट निःशुल्क प्राप्त कर सकेंगे। राघव शाखा के अध्यक्ष अमित रूखाया ने बताया कि आजकल जन्मदिन, धार्मिक आयोजन, पारिवारिक समारोह और अन्य छोटे कार्यक्रमों में डिस्पोजेबल प्लेट, गिलास और प्लास्टिक की पानी की बोतलों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है।

महिलाएं बन रही आत्मनिर्भर: चेयरमैन

हरिभूमि न्यूज ► सिरसा

हरियाणा महिला विकास निगम की चेयरमैन सुनीता डांगी ने सोमवार को सिरसा में विभिन्न योजनाओं की लाभार्थी महिलाओं को 3 लाख 15 हजार 244 रुपये की अनुदान राशि के चेक वितरित किए। चेयरमैन सुनीता डांगी ने कहा कि प्रधानमंत्री रॉड मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार द्वारा महिलाओं एवं बेटियों के उत्थान के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य बेटियों और महिलाओं की शिक्षा, रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

उन्होंने कहा कि निगम द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाएं संचालित



सिरसा। महिलाओं को अनुदान राशि के चेक वितरित करती चेयरमैन सुनीता डांगी।

की जा रही हैं। इनमें विधवा ऋण योजना, मातृशक्ति उद्यमिता योजना सहित अन्य योजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं के तहत पात्र लाभार्थियों को ऋण एवं अनुदान राशि उपलब्ध कराई जाती है, ताकि वे स्वरोजगार शुरू कर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकें।

चेयरमैन ने कहा कि महिलाओं में कौशल, प्रतिभा और कार्य करने की क्षमता की कोई कमी नहीं है। जरूरत है कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आगे

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष डबचाली रेणु शर्मा, पूर्व सांसद सुबाला कुमाल, हरियाणा बीज विकास निगम के चेयरमैन देव कुमार शर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक डॉ. दर्लान सिंह, प्रोजेक्ट ऑफिसर कमलेश आदि मौजूद रहे।

बढ़ें। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि बेटियां और महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ें।

भाजपा ने फतेहाबाद में वाराणसी की पवित्र माटी के कलश की निकाली शोभा यात्रा

फतेहाबाद। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की वाराणसी स्थित पावन जन्मस्थली की पवित्र माटी से युक्त कलश की भारतीय जनता पार्टी, नगर मंडल फतेहाबाद द्वारा सोमवार को कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा का आयोजन जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कलश यात्रा भाजपा जिला कार्यालय से शुरू होकर शहर के प्रमुख बाजारों और गांवों से होते हुए श्याम मंदिर, तहसील चौक पहुंची। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने गुरु रविदास जी महाराज के जयकरारे लगाए। शहरवासियों ने भी कलश यात्रा का स्वागत किया और पवित्र माटी के दर्शन कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। वहसील चौक स्थित श्याम मंदिर परिसर में विधिवत रूप से पवित्र कलश की स्थापना की गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज ने समाज को समाजता, समरपता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।



झूठे वादे कर कर्मचारियों से धोखा कर रही सरकार : दौलतपुरिया

हरिभूमि न्यूज ► फतेहाबाद

फतेहाबाद जिले सहित पूरे हरियाणा में सफाई कर्मचारियों और दमकल कर्मियों की दोबारा शुरू हुई अनिश्चितकालीन हड़ताल को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित

■ **भाजपा सरकार को बताया जुमलेबाज और धोखेबाज, सरकार पर साधा निशाना**

विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार न केवल जुमलेबाज है, बल्कि कर्मचारियों के साथ बार-बार वादाखिलाफी करने वाली धोखेबाज सरकार भी साबित हो चुकी है। विधायक ने कहा, सफाई और दमकल कर्मचारियों अपनी जायज मांगों को लेकर जब भी आवाज उठाते हैं, सरकार झूठे आश्वासन देकर हड़ताल तो खत्म करवा देती है, लेकिन समय बीत जाने पर उनकी मांगों को ठंडे बस्ते में डाल देती है।



फतेहाबाद। पत्रकारों से बात करते कांग्रेस के नेता।

सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई

जिलाध्यक्ष अरविंद शर्मा और विधायक दौलतपुरिया नेकहा कि हड़ताल के कारण शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। जगह-जगह गंदगी के ढेर लग रहे हैं। बारिश के इस संवेदनशील मौसम में यदि जल्द ही स्थिति पर काबू नहीं पाया गया, तो शहर में महामारी फैलने का गंभीर खतरा बन जाएगा। उन्होंने कहा कि दमकल और सफाई कर्मी अत्यंत कठिन परिस्थितियों में पूरी निष्ठा व ईमानदारी से जनता की सेवा करते हैं, लेकिन भाजपा सरकार उनकी उपेक्षा करने में लगी है। कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि आम जनता की परेशानियों और कर्मचारियों के हितों को देखते हुए सरकार को बिना देरी किए इन कर्मचारियों की मांगों को तुरंत प्रभाव से पूरा करना चाहिए।



फतेहाबाद। एएम कॉलेज में निलाली गई तिरंगा यात्रा।

फोटो : हरिभूमि

तिरंगा हमें आपसी भाईचारे, शांति और देश सेवा की प्रेरणा देता है। उन्होंने हर छात्र और नागरिक से आह्वान किया कि वे इस स्वतंत्रता दिवस पर अपने-अपने घरों पर गर्व से तिरंगा फहराएं और हर घर तिरंगा अभियान को जन-आंदोलन बनाएं। अभियान की कड़ी में कॉलेज के हिन्दी, पंजाबी, अंग्रेजी व शारीरिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में प्रो. प्रतिभा मखीजा, डॉ. रामगोपाल, एनसीसी प्रभारी मेजर रजनी वर्मा, डॉ. कान्ता, प्रो. राजदीप कौर, प्रो. सागर, प्रो. जितेन्द्र, डॉ. विजय गोयल, प्रो. विनोद, प्रो. वारिस, निधन सचदेवा व सागर के मार्गदर्शन में निबंध लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय ध्वज जे इतिहास, इसके महत्व और स्वाधीनता संग्राम में तिरंगे की भूमिका पर अपने विचार और

रचनाएं प्रस्तुत कीं। प्रतिभागियों ने ओजस्वी भाषणों और लेखों के माध्यम से तिरंगे की आन पर सर्वस्व न्योछावर करने का संदेश दिया। कॉलेज प्रबंधन ने बताया कि एनएसएस इकाई द्वारा 17 अगस्त तक कॉलेज में हर घर तिरंगा अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया ज रहा है। तिरंगा उत्सव को और अधिक भव्य बनाने के लिए आगामी 12 अगस्त को पर्यावरण विभाग तथा होम साइंस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्लोगन राइटिंग, रंगोली सजावट और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम की अमर गाथाओं, राष्ट्रीय ध्वज के गौरवशाली इतिहास और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को कलात्मक रूप से प्रदर्शित किया जाएगा।

भूना में हाथों में तिरंगा लेकर बाइक सवारों ने दिखाया देशभक्ति का जग्बा

भूना। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जिले में चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत सोमवार को भूना में बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली का उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर युवाओं को राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ना रहा। बाइक रैली को खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी ऋषभ सिंहल ने झंडी दिखाकर रवाना किया। बाइक रैली में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बाइक सवार प्रतिभागी हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लेकर रैली में शामिल हुए। तिरंगे से सजी बाइक रैली के दौरान भूना में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। रैली ने नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने और 'हर घर तिरंगा' अभियान में सक्रिय भागीदारी करने का संदेश दिया। इस अवसर पर नागरिकों से आह्वान किया गया कि वे अपने घरों पर तिरंगा फहराएं और तिरंगे के साथ अपनी फोटो लेकर 'हर घर तिरंगा' वेबसाइट पर अपलोड करें। नागरिक स्वयं इस अभियान से जुड़ने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। जनभागीदारी से यह अभियान और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनेगा। तिरंगे के साथ निकली बाइक रैली ने भूना में देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया। रैली के माध्यम से नागरिकों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने, तिरंगे के साथ फोटो खिंचवाने और उसे 'हर घर तिरंगा' वेबसाइट पर अपलोड कर अभियान में अपनी भागीदारी दर्ज करवाने के लिए प्रेरित किया गया। रैली ने स्वतंत्रता दिवस से पहले क्षेत्र में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय गौरव का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।



भूना। हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकाली गई बाइक रैली।

‘सेल्फी विद तिरंगा’ का क्रेज, युवाओं में उत्साह

हरिभूमि न्यूज ► सिरसा

हर घर तिरंगा अभियान के तहत लघु सचिवालय परिसर में बनाए गए 'सेल्फी विद तिरंगा' प्वाइंट युवाओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। युवा तिरंगे को साथ सेल्फी लेकर अभियान में भागीदारी कर रहे हैं और इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा कर दूसरों को भी अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। अतिरिक्त उपायुक्त अर्पित सगल ने बताया कि जिले में 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की ओर से स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सरल केंद्र में प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रदर्शनी को देखने के लिए लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। लघु सचिवालय परिसर और ई-दिशा केंद्र में 'सेल्फी विद तिरंगा' प्वाइंट बनाए गए हैं। इन प्वाइंट पर युवा तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर अभियान का हिस्सा बन रहे हैं। इसके साथ ही वे अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा कर रहे हैं, जिससे अन्य लोग भी हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।



सिरसा। लघुसचिवालय में बनाए गए सेल्फी विद तिरंगा प्वाइंट में फोटो खिंचवाती एक युवती।

स्कूल देश के रक्षकों के नाम सलाम स्पर्धा, जवानों के नाम लिखे पत्र

फतेहाबाद। हरिभूमि न्यूज, सिरसा। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल चतरगढ़ पट्टी में सोमवार को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में देश के रक्षकों के नाम सलाम पत्र लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कक्षा तीसरी, चौथी और पांचवीं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए भारतीय सेना के जवानों के नाम पत्र लिखे। विद्यार्थियों ने पत्रों के माध्यम से देश की रक्षा में जुटे सैनिकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। विद्यार्थियों ने अपने पत्रों में सैनिकों के साहस, सेवा और देश के प्रति समर्पण को सराहा। स्कूल में आयोजित इस गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। स्कूल के मुख्याध्यापक बंसीलाल झोरड़ ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना मजबूत होने के साथ उन्हें सैनिकों के त्याग और समर्पण के बारे में जानने का अवसर मिलता है। इस अवसर रामनिवास, सोनिया कटारिया, सुमन कन्नौज, विनिता कुमारी,विनय कुमारी, प्रांति बाला,सुमन कुमारी सहित अन्य स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी मौजूद रहे।



फतेहाबाद। शहीद बाबा दीप सिंह नर्सिंग कॉलेज में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जांच कराते विद्यार्थी।

फोटो : हरिभूमि

दो सप्ताह या उससे अधिक समय तक खांसी रहना, लगातार बुखार, रात में पसीना आना, वजन घटना, भूख कम लगना, सीने में दर्द और

शारीरिक कमजोरी टीबी के प्रमुख संकेत हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर इन्हें नजरअंदाज न कर तुरंत चिकित्सकीय जांच करानी चाहिए।

कार्यक्रम 16 अगस्त रविवार शाम 5 बजे पपीहा पार्क से निकलेगा विशाल कैंडल मार्च

अब तक सहा, आगे बर्दाश्त नहीं करेंगे, नशा तस्करों को देंगे मुंहतोड़ जवाब : भवानी सिंह

हरिभूमि न्यूज ► फतेहाबाद

नशे के काले कारोबार और उससे तबाह हो रही युवा पीढ़ी को बचाने के लिए फतेहाबाद में एक बार फिर जनक्रोश की भावना दिख रही है। अशोक नगर में महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट एवं नशामुक्ति सेना द्वारा आयोजित नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम में नशामुक्ति सेना के संस्थापक भवानी सिंह ने तस्करों व देशविरोधी ताकतों के खिलाफ आ-पार की जंग का ऐलान किया है। भवानी सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा, पुलिस अपनी कानूनी कार्रवाई कर रही है और करती रहेगी, लेकिन अब समाज मूकदर्शक बनकर नहीं



फतेहाबाद। अशोक नगर में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद भवानी सिंह व अन्य।

बैठेगा। हमने अब तक बहुत सहन कर लिया, लेकिन अब तस्करों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि 16 अगस्त रविवार को शाम 5 बजे जागरूक लोग मॉडल टाउन स्थित पपीहा पार्क में

एकत्रित होंगे, जहां से नशा तस्करों के खिलाफ एक विशाल और ऐतिहासिक कैंडल मार्च निकाला जाएगा। यह मार्च समाज को तबाह कर रही ताकतों को सीधा चेतावनी देने का काम करेगा।



सिरसा। जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की सहर्षल करते स्कूली बच्चे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए टीनों का चयन

सिरसा। जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के लिए सोमवार को विवेकानंद वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विभिन्न स्कूलों की टीनों का चयन किया गया। ये टीमें 15 अगस्त को सिरसा में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगी। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष फुटेल्ला, डीआईपीआरओ रामनाथ, विवेकानंद वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रिंसिपल रामसिंह यादव तथा नृत्जिक अध्यापक विक्रम सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम चयन समिति के सदस्य मौजूद रहे। जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष फुटेल्ला ने कहा कि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और प्रस्तुति के साथ-साथ वेशभूषा का भी विशेष महत्व होता है। इसलिए सभी टीमें निर्धारित समय से पहले पहुंचकर पूरी तैयारी के साथ प्रस्तुति दें और मंच पर आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें। स्वतंत्रता दिवस केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि देश के स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, बलिदान और संघर्ष को याद करने का अवसर भी है।



फतेहाबाद। राजकीय महाविद्यालय में पौधरोपण करते अतिथिगण व विद्यार्थी।

निबंध प्रतियोगिता में रवीना प्रथम

फतेहाबाद। राजकीय महाविद्यालय में सोमवार को हर घर तिरंगा पहल के तहत पौधरोपण कार्यक्रम और आजादी का अमृत महोत्सव विषय पर जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चौधरी मनोराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. लखबीर कौर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और कॉलेज परिसर में पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण तथा देशप्रेम का संदेश दिया। आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने विचारों को कलमबद्ध किया। प्रतियोगिता में बी कौम द्वितीय वर्ष की छात्रा सविता ने उत्कृष्ट विचार प्रस्तुत करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं प्रथम वर्ष की छात्रा रवीना ने द्वितीय तथा बी कौम प्रथम वर्ष की छात्रा मंजू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के कार्यकर्ता प्राचार्य डॉ. रवींद्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें देश सेवा, राष्ट्रीय मूल्यों के पालन और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में देशभक्ति

खबर संक्षेप

शिविर में हुई 246 रोगियों की नेत्र जांच

सिरसा। श्री हनुमंत फाउंडेशन द्वारा श्री हनुमंत चैरिटेबल अस्पताल में नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया जिसमें 246 नेत्र रोगियों की जांच की गई। कैप में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण अरोड़ा व डॉ. महिप बंसल द्वारा अपनी टीम व सहयोगियों के साथ 246 नेत्र रोगियों की निशुल्क जांच की गई व शिविर के दौरान मोतिया बिंद से पीड़ित 48 मरीजों का निशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन किया गया।

शूटिंग चैंपियनशिप में लक्ष्य ने गोल्ड, श्रेया ने जीता कांस्य पदक

सिरसा। जिला स्तरीय स्कूली शूटिंग चैंपियनशिप में सिरसा के शूटर्स ने एक बार फिर अपने सटीक निशाने से शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले को भी गौरवान्वित किया। ईंगल अकादमी के कोच गुरविंद्र सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में अकादमी के छात्र लक्ष्य ने गोल्ड, श्रेया ने कांस्य पदक प्राप्त किया, जबकि रविश ध्रुव व नमन ने प्रतिभागिता की।

शिविर में 101 यूनिट रक्त एकत्रित

सिरसा। संत निरंकारी मिशन की ओर से जिला रेडक्रॉस सोसायटी सिरसा व ब्लड बैंक डबवाली के सहयोग से रक्तदान शिविर लगाया जिसमें 101 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। ब्लड बैंक डबवाली इंचांज डॉ. हरसिमरत सिंह व उनकी टीम ने भी मिशन की प्रबंध व्यवस्था की सहहना की। शिविर में अबूबशहर, चौटाला, लोहगढ़, ओढ़ां के श्रद्धालुओं का यहां पहुंचने पर स्वागत किया गया।

निरंतर अपराध से हरियाणा की छवि देशभर में धूमिल: अभय

हरिभूमि न्यूज़ ►► सिरसा

इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला ने कहा कि भाजपा शासन में निरंतर अपराध, नशे की बढ़ोतरी हुई है जिससे हरियाणा की छवि पूरे देश में धूमिल हुई है। प्रदेश में अपराजकता का माहौल है। भाजपा की गलत नीतियों से आज हर वर्ग त्रस्त है और इससे छुटकारा चाहता है। अभय चौटाला सोमवार को कार्यकर्ताओं की बैठक लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।इनेलो नेता कहा कि 27 सितंबर को नूंह में होने वाली चा. देवीलाल जयंती कार्यक्रम में इनेलो प्रदेशभर से नशे को समाप्त करने के लिए



सिरसा। कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते अभय चौटाला।

बड़ा ऐलान करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा आज केंद्र व प्रदेश का खजाना पूरी तरह से लूट रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं का जंतर मंतर पर धरने प्रदर्शन ने हकों की लड़ाई के लिए एक नई दिशा दी है।

अभय चौटाला ने कहा कि भाजपा ने किसानों से उनकी आय दोगुनी करने व स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों लागू करने का भरोसा दिया था मगर सत्तासीन होने के बाद से भाजपा इसे भूल गई है।

बीज विकास निगम में किया पौधरोपण

सिरसा। ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के तहत स्थानीय बीज विकास निगम कार्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर भाजपा डबवाली जिलाध्यक्ष रेणु शर्मा, हरियाणा बीज विकास निगम के चेयरमैन देव कुमार शर्मा, निशांत खैरेकों, सुनील गर्ग, सुशील, रोहित मेहता, विरेंद्र तिन्ना, मुकेश मेहता, विक्रम चानन सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे। चेयरमैन देव कुमार शर्मा ने कहा कि ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के तहत बीज विकास निगम द्वारा 100 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि सिरसा, यमुनानगर, पटौदी, टोहाना, कुरुक्षेत्र, भिवानी, हिसार और पुंडरी स्थित बीज विकास निगम से बाड़क सवादा में पौधारोपण किया जाएगा।

जांडली के खिलाड़ी ने लहराया परचम

साहिल की यह उपलब्धि इस्त्रिलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने प्रदेशभर के खिलाड़ियों के बीच आपन वर्ग में खिताब हासिल किया है। करनवाल के रेड कार्पेट लॉन्स, आईटीआई चौक में हुई इस चैंपियनशिप में प्रदेश के विभिन्न जिलों से खिलाड़ी पहुंचे थे। ऐसे में 172 खिलाड़ियों के बीच शीर्ष स्थान हासिल करना साहिल की प्रतिभा का प्रमाण है।

के स्विस् सिस्टम में मुकाबले हुए। साहिल ने इनमें 7 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। साहिल की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि वह पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहे।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फ़ोन : 9315429403, 9253681005

सफाई व्यवस्था पूरी तरह टप, गली-मोहल्लों से लेकर मुख्य सड़कों तक कचरे के ढेर हड़ताल का छटा दिन, हाथ पर हाथ धरे बैठे कर्मचारी, शहर में 850 टन फैला कचरा



नगरपरिषद कार्यालय में नारेबाजी करते कर्मचारी

जिलेभर में शत-प्रतिशत

संघ के जिला प्रधान विजय दाका, वरिष्ठ उपप्रधान रमेश तुषामड़, उपप्रधान अमित गिल और आमंत्रित नेता बेगराज के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिले की विभिन्न नगरपालिकाओं और परिषदों का दौरा किया। कर्मचारी नेताओं ने दावा किया कि फतेहाबाद जिले की सभी नगरपालिकाओं और नगर परिषदों में हड़ताल शत-प्रतिशत सफल है। इसके चलते सफाई, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण और अन्य नगरपालिका सेवाएं प्रभावित हुई हैं।

कई कर्मचारी पिछले 20 वर्षों से भी अधिक समय से अस्थायी आधार पर काम कर रहे हैं और उन्हें महज 9,200 रुपये प्रतिमाह के मासूली वेतन पर गुजारा करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ठेके पर लगे कर्मचारियों का मानसिक, शारीरिक और आर्थिक शोषण किया जा रहा है। कर्मचारियों के सामने हर समय नौकरी जाने का डर बना

जिले में इतने कर्मचारी हड़ताल पर

- फतेहाबाद : 28 नियमित, 109 पालिका रोल, 60 ठेका सफाई कर्मचारी, 42 डोर-टू-डोर कर्मचारी और 13 एचआरएनएल ड्राइवर।
- टोहाना : 15 नियमित, 102 पालिका रोल और 60 डोर-टू-डोर कर्मचारी।
- रतिया : 12 नियमित, 56 पालिका रोल और 30-35 डोर-टू-डोर कर्मचारी।
- भूला : 56 पालिका रोल कर्मचारी व डोर-टू-डोर कर्मचारी।
- जाखल : 18 पालिका रोल और 10 डोर-टू-डोर कर्मचारी।

कोर्ट के आदेशों को लेकर सरकार पर उठाए सवाल

जिला प्रधान विजय दाका और रमेश तुषामड़ ने सरकार पर कर्मचारियों के मामले में दोहरे रकवे का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से कार्यरत कच्चे कर्मचारियों की सेवाओं से जुड़े न्यायालयों के आदेशों को लागू करने की मांग लगातार उठाई जा रही है, लेकिन सरकार इस दिशा में गंभीरता नहीं दिखा रही। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जब अपने पक्ष में फैसलों का हवाला देती है तो न्यायालय के आदेशों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है, लेकिन कर्मचारियों के हित से जुड़े मामलों में वही गंभीरता नजर नहीं आती।

रहता है। इसी के विरोध में उन्हें हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा है।छठे दिन भी सफाई कर्मचारी काम पर नहीं लौटे तो शहरवासियों की परेशानी और बढ़ गई। घरों और दुकानों से

निकलने वाला कचरा सड़कों के किनारे जमा होता जा रहा है। बारिश के कारण कचरे से दुर्गंध उठ रही है और कई स्थानों पर स्थिति बदतर हो गई है।

दूध उत्पादक किसानों ने मांगों पर वीटा मिल्क प्लांट में दिया धरना

हरिभूमि न्यूज़ ►► सिरसा

दूध उत्पादक किसानों ने सोमवार को वीटा मिल्क प्लांट के बाहर अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। शाम तक किसानों की सुध लेने कोई अधिकारी नहीं आया तो गुस्सा किसान मिल्क प्लांट की ओर ज़ापन देने के लिए गए, लेकिन गेट बंद कर दिए गए। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों का समाधान नहीं किया गया तो वे अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। किसानों की मांग है कि पंजाब नहर की बजाए हरियाणा में दूध के चार से पांच रुपये प्रति लीटर कर दिया जा रहा है। पेमेंट भी दो-तीन महीने के बाद दी जा रही है, जिससे किसानों को परेशानी हो



सिरसा। वीटा मिल्क प्लांट के गेट पर नारेबाजी करते दूध उत्पादक किसान।

रही है। उन्होंने कहा कि पशुओं के फीड में दिनोंदिन बढ़ोतरी हो रही है, लेकिन वीटा मिल्क प्लांट द्वारा दूध के रेट नहीं बढ़ाए जा रहे हैं। किसानों की मांग है कि दूध के रेटों में बढ़ोतरी की जाए, बोनस जो चार-पांच महीनों बाद मिलता है उसे

हर महीने दिया जाए। किसानों का कहना है कि एक तरफ तो हरियाणा सरकार डेयरी फार्म को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चल रही हैं, वहीं मिल्क प्लांट किसानों को समय पर पेमेंट तक अदा नहीं कर रहा है।

एडीसी सुनी ने शिविर में लोगों की शिकायतें

सिरसा। अतिरिक्त उपायुक्त अर्पित सगल ने सोमवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित समाधान शिविर में आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। इसके अलावा उपमंडल स्तर पर भी समाधान शिविरों का आयोजन किया गया। सिरसा में आयोजित समाधान शिविर में कुल 25 शिकायतें आईं। अतिरिक्त उपायुक्त अर्पित सगल ने शिविर में अधिकारियों की निर्देश देते हुए कहा कि इन समस्याओं का शीघ्रान्वेषित निस्तारण किया जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके। शिविर में पेयजल, सड़क सुधार, बिजली, स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन वितरण योजनाओं से जुड़ी शिकायतें शामिल थीं।

जांडवाला बिश्नोइयों में जानलेवा हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर रोष

हरिभूमि न्यूज़ ►► सिरसा

जिले के गांव जांडवाला बिश्नोइयों निवासी राजेश कुमार पर बीती 6 जुलाई की रात राजस्थान फौड नहर की पटरी के पास हुए जानलेवा हमले और बाड़क चोरी के मामले में एक माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से ग्रामीणों में रोष है। इसी के चलते पुलिस प्रशासन की नाकामी के विरोध में ग्रामीणों ने बीती 30 जुलाई से अनिश्चितकालीन शांतिपूर्ण धरना शुरू किया जो अब भी जारी है। किसान नेता लखविंद सिंह ने बताया कि हमले में राजेश कुमार के सिर पर ईंट से वार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। घटना के बाद उनकी बाड़क भी गायब मिली। बीती 17 जुलाई को थाना सदर डबवाली में केस भी दर्ज किया गया लेकिन अभी तक न आरोपी गिरफ्तार नहीं हुए और न ही बाड़क बरामद हुई। उन्होंने कहा कि पुलिस ने 15 अगस्त तक आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया था, लेकिन आश्वासन के बावजूद कार्रवाई शून्य है। ग्रामीण कई बार पुलिस अधिकारियों से मिल चुके हैं, फिर भी केवल आश्वासन मिल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्रवाई करने के बजाय धरने पर बैठे ग्रामीणों पर धरना समाप्त करने का दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस का काम अपराधियों को गिरफ्तार करना है, ग्रामीणों को धरने से उठाना नहीं।

पुरानी तहसील चौक स्थित श्री श्याम मंदिर में देर रात तक चला मव्य संकीर्तन

कमिका एकादशी पर श्याम रंग में रंगा फतेहाबाद शहर

हरिभूमि न्यूज़ ►► फतेहाबाद

कमिका एकादशी के पावन अवसर पर रविवार रात पुरानी तहसील चौक स्थित श्री श्याम मंदिर में भव्य संकीर्तन का आयोजन किया गया। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। शाम होते ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया और देखते ही देखते मंदिर परिसर भक्तों से भर गया। भजन गायकों ने जब बाबा श्याम और भगवान शिव की महिमा का गुणगान शुरू किया तो पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। प्रमुख भजन गायक अनिल शर्मा



फतेहाबाद। कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करते अनिल शर्मा व साक्षी शर्मा। रजनीश शर्मा को सम्मानित करते भावना असीजा।

और साक्षी अग्रवाल ने अपनी मधुर आवाज से श्रद्धालुओं को देर रात तक बांधे रखा। भजनों की धुन पर श्रद्धालु हाथ उठाकर झूमते नजर आए और मंदिर परिसर बाबा श्याम



व भोलेनाथ के जयकारों से गुंजता रहा। कार्यक्रम में भावना असीजा ने भजन गायक रजनीश शर्मा को और भीम असीजा ने अनिल शर्मा को सम्मानित किया। संकीर्तन की

शुरुआत बाबा श्याम की महिमा के भजनों से हुई। अनिल शर्मा ने बाबा श्याम के चरणों में समर्पित भजन प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिरस से भर दिया। इसके बाद रजनीश शर्मा

भोलेनाथ के भजनों पर भक्तों ने लगाए जयकारे

इसके बाद साक्षी अग्रवाल ने भगवान शिव और भोलेनाथ की महिमा से जुड़े भजन प्रस्तुत किए। 'हर हर शंभू', 'भोलेनाथ तेरी शरण में', 'शिव शंकर को जिसने पूजा' और 'बम बम भोलो' जैसे भजनों से मंदिर परिसर शिवमय हो गया। जैसे-जैसे भजनों की लय तेज होती गई, श्रद्धालु भी झूमते नजर आए। महिलाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों का आनंद लिया और भगवान शिव तथा बाबा श्याम के जयकारे लगाए। संकीर्तन के दौरान मंदिर में विशेष धार्मिक वातावरण देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के दरबार में माथा टेका और सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में भजनों के साथ तालियों की गूंज और जयकारों से माहौल पूरी

ने 'हारे का सहारा बाबा श्याम हमार', 'शीश के दानी बाबा श्याम', 'मेरे खाटू वाले श्याम' और 'श्याम तेरे दर पे आया' जैसे

भावपूर्ण भजनों के माध्यम से बाबा श्याम की महिमा का गुणगान किया गया। भजनों के दौरान श्रद्धालु भी गायकों के साथ ध्रु मिलते रहे।



सिरसा। शहर के कूड़ा डंपिंग प्वाइंट पर बिखरा कूड़ा।